(सं.पूरयति) पूरीउ (अल पूरिउ) **वाग्भवा*. [हवे बस एवो भाव पूर्यो पूरो पाड्यो चित्तसं. पहोंचाड्यो, लई गयो पूर्यो शंख प्रेमाका. शंख वगाड्यो, शिख फूंक्यो]; जुओ पुराय **पूर्व** *नलरा. षष्टिप्र.* जैन शास्त्रोनो एक विभाग [सं.] पूर्वभवंतरिइं शंगामं. पूर्वभवमां पूर्विलउ * षडाबा. [पूर्वेनो, आगलो] (सं.पूर्व) पूर्वीयु उक्तिर. पूर्व दिशानुं पूलउ उक्तिर. पूळो (सं.पूलकः) पूंख प्रेमाका. तीरनो आगलो पींछावाळो भाग [सं.पुख पूंख नलरा. वरकन्याने वधाववां ते, पोंखवुं ते (सं.प्रोक्ष) पूंछ- वीसरा. पूछवुं (सं.पृच्छ्) **पूंछली** अखाछ. पूछियल, थाकीने बेसी पडेली **पूंछे** *आरारा*. पूंठे, [पूंछडे, पाछळ] पूंजइ *उक्तिर. षडाबा.* कचरो वाळे, साफ करे [सं.प्रोंछ्] पुंठि * नलाख्या. विमप्र. पाछळ (सं.पृष्टिः) पूंठि पूरइ जुओ पूरइ अहा पूंठि **पूंद** *उक्तिर*. कुला (सं.पुतौ); जुओ पुद **पे. पें** नेमिछं. उपर: हरिख्या. पासे, पासेथी: नरका, प्रेमाका, हरिख्या, -नी सरखा-मणीमां, -ना करतां सिं.प्रति] पेअ कामा(त्रि). दूध [सं.पेय] **पेर्ड** अभिक्र. पेटी

पेखइ तेरका. नरका. वसंफा. वसंफा(ल). वसंवि(ब्रा). जुए (सं.प्रेक्षते) **पेखणउं** अंबरा. चित्तसं. पेखणुं, तमासो, [जलसो, उत्सव] [सं.प्रेक्षनक] **पेच** *अखाका.* युक्ति, जोडाण, [प्रपंच] · पेचेतालीस षडाबा. पिस्ताळीस (सं.पंच-चत्वारिंशत) **पेचे पेचे** *प्रेमाका*. कपटथी, दावपेचथी **पेड** **अखाका*. [*पीड: *परड: *लप] **पेड** अखाका. वृक्ष, [छोड, वेल] [हिं.] **पेणामां** *प्रेमाका*. कडायामां, मोटी कडाईमां **पेदड * पंचवा.** [पग, मूळियां] (सं.पद+दल) **पेध्यारु** अंबरा. पधारो [सं.पाद+धार्] **पेम** *तेरका*. प्रेम **पेमासव** *शुंगामं*. प्रेमनो अर्क [सं.प्रेमासव] **पेर** *अखाका. अखाछ. प्रेमाका.* प्रकार. रीत; कामा(त्रि). कामा(शा). प्रकार, रीत गोठवण; मोसाच. रीत, रिवाज; *नरका*. रीत, प्रकार, युक्ति, उपाय, [*आवडत] **पेरपेर** प्रेमप. जूदीजूदी रीते **पेराईउ** कामा(शा). सांठानी गांठ वद्येनो भाग **पेरेपेरना** *चतुचा*. भिन्नभिन्न प्रकारना **पेर्य** *चित्तसं*. प्रकार, रीत, मार्ग, गोठवण, जोगवार्ड **पेर्वे** *चित्तसं*. प्रकारे. रीते. पेठे **पेलइ** *गुर्जरा. दशस्कं(२)*. प्रेरे, धक्केले **पेलाडि** *प्राचीफा. *शंगामं*. पीडा, वेदना **पेलावेलि. पेलावेली** उक्तिर. खेंचाखेंची.